आर. एन. आई. नं. UPHIN/2010/32566 डाक. पंजीयन. संख्या– SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

वर्ष : 17 अंक : 12 लखनऊ, रविवार 28 जून 2026 सा 06 जुलाई 2026 तक पृष्ठ–8 मूल्य : एक रूपया

राम मंदिर ट्रस्ट से चंपत राय–अनिल मिश्रा के इस्तीफे की हुई आधिकारिक पुष्टि, बैठक में तय होगी अगली भूमिका

लखनऊ। राम मंदिर के लिए दिए गए दान में कथित चोरी के मामले में, राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद गिरि ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि महासचिव चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि राय के इस्तीफे की खबरें पहले ही सामने आ चुकी थीं, लेकिन ट्रस्ट के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह पहली आधिकारिक पुष्टि है। इसके तुरंत बाद, राम मंदिर ट्रस्ट ने भी एक बयान जारी कर पुष्टि की कि उसे चंपत राय का इस्तीफा मिल गया है। ट्रस्ट ने आगे बताया कि ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने भी अपना इस्तीफा सौंप दिया है। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं जब अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी की जांच चल रही है। भक्तों के चढ़ावे के प्रबंधन में वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों के बाद इस मामले ने व्यापक ध्यान आकर्षित किया है, और स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) मामले की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, जांच में दान की गिनती की प्रक्रिया के प्रशासन द्वारा प्रबंधन को लेकर चंपत राय की भूमिका की जांच की जा रही है। हालांकि जांचकर्ताओं ने यह आरोप नहीं लगाया है कि राय ने सीधे तौर पर गिनती या निगरानी कार्यों को संभाला, लेकिन SIT ने कथित तौर पर सवाल उठाया है कि क्या संदिग्ध चोरी के बारे में शिकायतों को वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाए जाने के बावजूद नजरअंदाज कर दिया गया था। सूत्रों का यह भी दावा है कि इस मामले में गिरफ्तार किए गए कई लोगों को चंपत राय और अनिल मिश्रा की सिफारिश पर दान–गिनती के कार्यों में लगाया गया था। रिपोर्ट में पर्याप्त पृष्ठभूमि सत्यापन के बिना कुछ कर्मचारियों की नियुक्ति पर भी सवाल उठाए गए हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये निष्कर्ष SIT जांच का

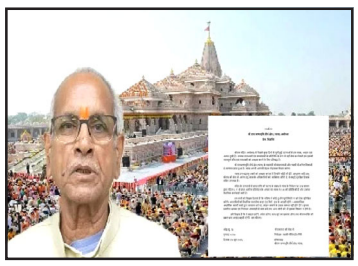

हिस्सा हैं और अदालत में इनकी पुष्टि नहीं हुई है। SIT ने २७ अप्रैल से ५ जून के बीच रिकॉर्ड किए गए CCTV फुटेज की जांच की और खबरों के मुताबिक, उन्हें लगभग ७० ऐसी घटनाएं मिलीं जिनमें दान की गिनती करने वाले कर्मचारी करीब ४० दिनों के दौरान कैश चुराते हुए देखे गए। जांच करने वालों का आरोप है कि कुछ आरोपी गिनती केंद्र के अंदर CCTV कैमरों की लोकेशन और 'ब्लाइंड स्पॉट' (जहां कैमरे की नजर नहीं पड़ती) के बारे में जानते थे। जांच के मुताबिक, कथित चोरी के दौरान कभी–कभी कैमरों को बंद कर दिया जाता था या जानबूझकर उनमें रुकावट डाली जाती थी। इस मामले में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से सिर्फ टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव ही राम मंदिर ट्रस्ट के कर्मचारी थे, जबकि बाकी आरोपी कथित तौर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) से जुड़े थे, जो मंदिर के दान की गिनती में मदद करता है। सूत्रों के मुताबिक, SIT ने राम शंकर यादव, उर्फ टिन्नू यादव की पहचान इस कथित चोरी के मुख्य आरोपी के तौर पर की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनके पास दान–पात्रों की चाबियां थीं और मंदिर परिसर में दान की गिनती और अन्य कामकाज के लिए कर्मचारियों की तैनाती जैसे प्रशासनिक मामलों में उनका काफी प्रभाव था। एक अन्य आरोपी, रामाशंकर मिश्रा को कथित तौर पर टिन्नू यादव की सिफारिश पर दान की गिनती के काम में शामिल किया गया था। कहा जाता है कि CCTV फुटेज में उन्हें कई बार नकदी चुराते हुए देखा गया है। SIT ने अनिल मिश्रा की नियुक्तियों में भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं और ट्रस्टी बनने के बाद उनकी संपत्ति में हुई बढ़ोतरी पर चिंता जताई है। हालांकि, इस मामले में अभी तक कोई आधिकारिक नतीजा घोषित नहीं किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण के नये प्रशासनिक भवन का लोकार्पण के बाद बोले मुख्यमंत्री योगी 'विकास की नई उड़ान भर रहा उत्तर प्रदेश'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास किया, विकास कार्यों की समीक्षा की और विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। मुख्यमंत्री का यह दौरा प्रदेश में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार अम्बर समूह ने यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में लगभग छह हजार सात सौ पचासी करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव रखा है। समूह द्वारा वातानुकूलन उपकरणों के पुर्जों, इलेक्ट्र निक उपकरणों तथा अन्य आधुनिक सामग्री के निर्माण के लिए इकाइयां स्थापित की जाएंगी। इन परियोजनाओं से तीन हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। अधिकारियों का कहना है कि इन इकाइयों के शुरू होने से देश में इलेक्ट्र निक उपकरण निर्माण और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसके बाद नोएडा के सेक्टर ६६ में नोएडा प्राधिकरण के नये प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। लगभग तीन सौ नब्बे करोड़ रुपये की लागत से बने इस भवन का निर्माण वर्ष २०१६ में शुरू हुआ था, लेकिन कोरोना महामारी और ठेकेदार से जुड़ी समस्याओं के कारण इसमें देरी हुई। अब यह भवन पूरी तरह तैयार हो चुका है। हम आपको बता

दें कि नोएडा प्राधिकरण का नया प्रशासनिक परिसर छह एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और इसमें चार तथा आठ मंजिला दो टावर बनाए गए हैं। पहले इसकी योजना अठारह और नौ मंजिला इमारतों के रूप में तैयार की गई थी, लेकिन बाद में इसमें बदलाव किया गया। इस भवन के बन जाने से अब नोएडा प्राधिकरण के सभी विभाग एक ही परिसर में संचालित होंगे, जिससे लोगों को विभिन्न सेवाओं के लिए अलग अलग स्थानों पर नहीं जाना पड़ेगा। अभी तक प्राधिकरण के विभाग सेक्टर ६, १६, २० और ३६ सहित कई स्थानों पर संचालित हो रहे थे, जिससे आम लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश, विशेषकर नोएडा विकास के नये दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार निवेश, उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक आधारभूत सुविधाओं और औद्योगिक परियोजनाओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हम आपको यह भी बता दें कि अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भी भाग लिया। इसके अलावा उन्होंने मेरठ मंडल में लोक निर्माण विभाग के पुराने कार्यों की समीक्षा की तथा नयी परियोजनाओं को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। बाद में मुख्यमंत्री गाजियाबाद के इंदिरापुरम पहुंचे, जहां उन्होंने मंत्री सुनील शर्मा के सुपुत्र के मांगलिक कार्यक्रम में शिरकत की।

अखिलेश यादव का बड़ा ऐलान, बोले- सपा सरकार बनी तो अयोध्या बनेगी 'सियाराम धाम'

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में २०२७ विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने अयोध्या को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि यदि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है तो अयोध्या को एक ऐसी धार्मिक और आध्यात्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा, जो पूरी दुनिया के लिए मिसाल बनेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर अयोध्या की सदियों पुरानी आध्यात्मिक पहचान को और मजबूत किया जाएगा। उन्होंने इसे 'सियाराम धाम' के रूप में विकसित करने का वादा किया, जहां देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को आस्था, भक्ति और आध्यात्मिकता का वास्तविक अनुभव मिल सके। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि अयोध्या के विकास में न्याय, ईमानदारी और जनहित को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शहर के धार्मिक महत्व के साथ–साथ वहां रहने वाले लोगों के पारंपरिक गौरव, सम्मान और अधिकारों की भी रक्षा की जाएगी। अखिलेश यादव का यह बयान ऐसे समय आया है जब अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावे की रकम में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक माहौल गर्म है। चंदा गबन के आरोपों की जांच के लिए गठित SIT ने मामले की पड़ताल शुरू की है। जांच में दान राशि की गिनती प्रक्रिया, रिकॉर्ड प्रबंधन और

निगरानी व्यवस्था से जुड़ी कुछ कमियों की बात सामने आने का दावा किया गया है। इस मामले में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जांच एजेंसियां सीसीटीवी फुटेज, दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही हैं। सपा अध्यक्ष पहले भी इस मामले को लेकर सरकार और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठा चुके हैं। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, अखिलेश यादव का अयोध्या को लेकर यह ऐलान २०२७ के विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सम्पादकीय

आजाद देश में गुलामी की जंजीरें: कागजी कानूनों और बंधुआ मजदूरी की खौफनाक हकीकत

भारतीय संविधान के अनुच्छेद २३ के तहत ७६ वर्ष पूर्व ही गुलामी जैसी प्रथाओं को निषिद्ध घोषित कर दिया गया था। इसके बावजूद, बंधुआ मजदूरी पर कानूनी प्रतिबंध लगाने में व्यवस्था को २६ साल लग गए और १९७६ में जाकर इसके खिलाफ कानून पारित हो सका। आज इस कानून को बने भी लगभग आधी सदी बीत चुकी है, लेकिन जमीनी हकीकत जस की तस है। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले का मांडी गांव इसका जीता–जागता और खौफनाक उदाहरण है, जहां एक दोना बनाने वाली फैक्टरी से हाल ही में १२ बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराया गया है। मांडी गांव महज एक झांकी हैय देश के विभिन्न हिस्सों से बंधुआ और बाल मजदूरों के शोषण की खबरें अक्सर हमारे खोखले सिस्टम की पोल खोलती रहती हैं। मांडी की घटना ने लोगों को इसलिए झकझोर दिया है क्योंकि वहां मजदूरों के साथ हुई बर्बरता ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। पुलिस और उत्तर प्रदेश श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में यह रोंगटे खड़े करने वाला सच सामने आया कि इन मजदूरों को किसी खूंखार कैदी की तरह बंधक बनाकर रखा गया था। उनके मोबाइल छीन लिए गए, पहचान–पत्र जला दिए गए और बाहरी दुनिया से उनका संपर्क पूरी तरह काट दिया गया। मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार, फैक्टरी में इन मजदूरों के साथ जानवरों से भी बदतर सुलूक किया जाता था। उन्हें गर्म लोहे की रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। कई मजदूरों की पसलियां टूट गई हैं, शरीरों पर गहरी चोटों के निशान हैं और यह गंभीर आरोप भी है कि इस अमानवीय अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई है। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से महज दो वक्त की रोटी की तलाश में यहां आए थे। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि हमारी संवैधानिक उद्घोषणाएं और 'बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून' आखिर किन फाइलों में दबे हैं? क्या उन कानूनों का कोई मोल रह जाता है, जिन्हें लागू करने के लिए जमीनी हालात बदलने की कोई ठोस नीयत और योजना ही न हो? सरकारों और समाज के लिए यह विचारणीय मुद्दा है कि आखिर क्यों आज भी मजदूर अपने घर–गांव से पलायन कर दूसरी जगह जाकर बंधुआ बनने और अत्याचार सहने को मजबूर हैं। दरअसल, ऐसी हर कहानी आजीविका के बदहाल विकल्पों का सीधा प्रमाण है। २१वीं सदी के भारत में घटित होने वाली यह त्रासदी केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतांत्रिक दावों और सामाजिक न्याय पर एक बेहद गंभीर और शर्मनाक प्रश्नचिह्न है। जब तक रोजगार और पलायन की मूल समस्या का समाधान नहीं होगा, तब तक कानून केवल कागजों की शोभा ही बढ़ाते रहेंगे।

लखनऊ हादसे के बाद गहलोत की चेतावनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई घटना में १५ लोगों की मौत हो गई, जिसमें ज्यादातर छात्र थे। इस हादसे के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए हादसे से राजस्थान सरकार को सीख लेने की सलाह दी। अशोक गहलोत ने कहा, "लखनऊ में जो घटना हुई, उसमें १५ बच्चों की मौत हो गई। यह घटना कोई छोटी–मोटी बात नहीं है। क्या हमारी सरकार भी ऐसी ही किसी घटना का इंतजार कर रही है? मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि हमने जयपुर में २४० संस्थानों के लिए कोचिंग हब बनाने में लगभग ४००–५०० करोड़ रुपए खर्च किए थे। १४० लोगों ने पैसे जमा भी कर दिए थे। इस सरकार की बेवकूफी की वजह से १०० लोगों ने अपने पैसे वापस ले लिए। हम वहां आईआईटी की एक ब्रांच खोलने वाले थे, लेकिन उन्होंने इसे मजाक बना दिया है। अगर आप वहां आईआईटी की यूनिट खोलना चाहते हैं, तो बस उनके लिए एक नई बिल्डिंग बना दें। हमने यह पक्का किया था कि गोपालपुरा बाईपास पर लगभग १ लाख बच्चे पढ़ाई करेंगे। उन्होंने आगे कहा, "दिल्ली में पहले ही एक घटना हो चुकी है, जहां अंडरग्राउंड जगह पर पानी में डूबने से बच्चों की मौत हो गई थी। गोपालपुरा में भी गैस की वजह से २५–३० बच्चे घायल हो गए थे। क्या सरकार यहां भी यूपी जैसी घटना का इंतजार कर रही है? सरकार क्या चाहती है? उन्होंने इसे बंद क्यों रखा है? बिल्डिंग बस यूं ही पड़ी–पड़ी खराब हो रही है, अगर ऐसे ही छोड़ दिया

गया तो यह गिर जाएगी। इसके अंदर लाइब्रेरी भी है, सारी सुविधाएं हैं, बच्चों के लिए फूड कोर्ट भी है, बच्चे अच्छे माहौल में पढ़ाई कर सकते हैं, उन्हें हर तरह से अच्छा माहौल मिलेगा। यह समझ से बाहर है कि वे ऐसी हरकतें क्यों कर रहे हैं? गहलोत ने जोधपुर के अस्पताल का जिक्र करते हुए कहा, "जोधपुर में भी अस्पताल की चार बिल्डिंगें बेकार पड़ी हैं। सुमेर पब्लिक लाइब्रेरी की बिल्डिंग बनकर तैयार है, बस यूं ही पड़ी है। स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट भी बिना इस्तेमाल के पड़ा है। मैंने खुद मुख्यमंत्री से फोन पर गुजारिश की थी, जब मेरे जन्मदिन पर हमारी बात हो रही थी। उन्होंने आगे कहा, "सरकार समय पर मुआवजा नहीं दे पा रही है और अलग–अलग विभागों के पेमेंट रुके हुए हैं। सरकार को साफ बताना चाहिए कि हमारी आर्थिक हालत बहुत खराब है कि हम ६ महीने या एक साल तक पेमेंट नहीं कर पाएंगे। सभी विभागों में पेमेंट रुक गए हैं। यहां तक कि २ करोड़ रुपए के चेक भी जारी नहीं हो रहे हैं। यह डबल–इंजन सरकार है, दिल्ली में भी उनकी अपनी सरकार है, वे अतिरिक्त मदद ले सकते हैं और शायद ले भी रहे होंगे। लेकिन, उन्होंने हालात इतने खराब कर दिए हैं कि किसी भी विभाग के पास पेमेंट के लिए पैसे नहीं हैं। लोग बर्बाद हो रहे हैं, परेशान हैं। पेंशन समय पर नहीं मिल रही, कुछ नहीं हो रहा। उन्होंने आगे बताया, "गंगानगर, हनुमानगढ़ और कई दूसरी जगहों से खबरें आ रही हैं कि गेहूं की खरीद नहीं हो रही है। वहां हड़तालें चल रही हैं, लोग परेशान हैं, बोरे नहीं पहुंच रहे हैं। सरकार तय किए गए खरीद के लक्ष्य भी पूरे नहीं कर पा रही है, और खरीद के लिए जो समय पहले ३० जून तक होता था, उसे इस बार ३१ मई कर दिया गया था। अब वे इसे बार–बार बढ़ा रहे हैं और फिर से ३० जून आ जाएगा। राजस्थान के किसान बर्बाद हो रहे हैं।

लखनऊ में बढ़ती गर्मी के बीच स्कूलों के समय में बदलाव, कक्षा १ से ८ तक के विद्यालय सुबह ७:३० से दोपहर १२:३० बजे तक संचालित होंगे

लखनऊ। बढ़ते तापमान और गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने छात्र–छात्राओं के हित में बड़ा फैसला लिया है। जिलाधिकारी

लखनऊ ने जनपद के सभी सरकारी, परिषदीय, गैर सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा प्री–प्राइमरी से कक्षा ८ तक के संचालन समय में बदलाव के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार, २२ अप्रैल २०२६ से अग्रिम आदेशों तक जिले के सभी संबंधित विद्यालयों का संचालन अब सुबह ७:३० बजे से दोपहर १२:३० बजे तक किया जाएगा। जिलाधिकारी कार्यालय की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि बढ़ते तापमान के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया है। सभी विद्यालयों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश की प्रति जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेजी गई है, ताकि सभी विद्यालयों में नई समय–सारणी लागू कराई जा सके। प्रशासन ने अभिभावकों और विद्यालय प्रबंधन से अपील की है कि बच्चों को गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें।

लखनऊ अग्निकांड के बाद प्रयागराज में बड़ी कार्रवाई

लखनऊ में हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद प्रयागराज जिला प्रशासन ने अग्नि सुरक्षा मानकों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। तीसरे दिन यानी गुरुवार को भी जारी अभियान के तहत मुख्य अग्निशमन अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र ने शहर के ८६ व्यावसायिक परिसरों के लिए अनिवार्य अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र (फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट) प्राप्त नहीं किया था। बिना अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र के इन प्रतिष्ठानों का संचालन नियमों के विपरीत पाए जाने पर कार्रवाई की गई। अपर जिलाधिकारी (नगर) ने कहा कि लखनऊ की घटना से सबक लेते

हुए जनसुरक्षा के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी से किसी भी समय गंभीर अग्निकांड हो सकता है, जिससे जनहानि की आशंका बनी रहती है। अग्नि सुरक्षा मानकों के प्रति गंभीर लापरवाही को देखते हुए सराय अधिनियम के तहत संबंधित ८६ प्रतिष्ठानों के आवेदन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि आदेश के बावजूद यदि कोई प्रतिष्ठान संचालित पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई की जद में आए प्रमुख प्रतिष्ठानों में खुशी बैंक्वेट ल ज, प्लेटिनम इन गेस्ट हाउस, अम्बर विला गेस्ट हाउस, पंखुड़ी गार्डेन, प्रयाग पैलेस, राधे–राधे ल ज, प्रीमियम ल ज, रमेश पैलेस, न्यू ग्रीन गार्डेन, आर्यन पैलेस, जे.के. महल गेस्ट हाउस, रॉयल होटल तथा द गोल्डेन ट्री सहित कुल ८६ गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल और होटल शामिल हैं। प्रशासन की इस कार्रवाई से होटल एवं गेस्ट हाउस संचालकों में हड़कंप मच गया है। वहीं जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनसुरक्षा के मद्देनजर अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन को लेकर जांच और कार्रवाई का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल, होटल और लॉज के विरुद्ध कार्रवाई के आदेश जारी किए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित प्रतिष्ठानों के संचालकों ने अपने

अयोध्या राम मंदिर दान में हेराफेरी पर योगी का कड़ा संदेशः सनातन से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ। अयोध्या राम मंदिर से जुड़े दान में कथित हेराफेरी के मामले में आठ लोगों की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने सनातन मूल्यों और लोगों की आस्था का फायदा उठाने की कोशिश करने वालों के प्रति 'जीरो–टॉलरेंस' की नीति अपनाई है। इस मुद्दे पर सार्वजनिक रूप से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। उन्होंने दोहराया कि सरकार ने लोगों को भरोसा दिलाया था कि अयोध्या से जुड़े मामलों में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कहा था, 'अयोध्या की चिंता न करें।' जैसे ही एसआईटी की रिपोर्ट आई, तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी गई। आस्था के मामलों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मैं उन लोगों से भी अपील करना चाहता हूं जो आज इस मुद्दे को उठा रहे हैं ये वही लोग हैं जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। योगी ने कहा कि १६ जून को अयोध्या के दौरे के दौरान ही राज्य सरकार ने अपना रुख साफ कर दिया था। उन्होंने चेतावनी दी थी कि लोगों के भरोसे का गलत

इस्तेमाल करने या करोड़ों लोगों के लिए गहरी धार्मिक अहमियत रखने वाली जगह को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि SIT की रिपोर्ट ने अब कार्रवाई का रास्ता साफ कर दिया है और रिपोर्ट के नतीजों के बाद प्रशासन ने तेजी से कदम उठाए हैं। इस बात पर जोर देते हुए कि आस्था को हल्के में नहीं लिया जा सकता, मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने या लोगों की आस्था से जुड़ी संस्थाओं का गलत इस्तेमाल करने की कोशिश करेंगे, उन्हें बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अयोध्या को सामूहिक आस्था का प्रतीक बताया और कहा कि इसकी गरिमा और मूल्यों को बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। साथ ही, योगी ने इन घटनाक्रमों की आलोचना करने पर विपक्षी दलों पर तीखा राजनीतिक हमला किया। बिना किसी का नाम लिए, उन्होंने विपक्ष के कुछ हिस्सों पर आरोप लगाया कि वे इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि राम मंदिर आंदोलन का उन्होंने हमेशा विरोध किया था। उन्होंने कहा कि एक पक्ष कहता था कि भगवान राम का कोई अस्तित्व ही नहीं है, यानी ये लोग अयोध्या के अस्तित्व को ही नकारना चाहते थे। वे लगातार अदालत में मुकदमा लड़ते रहे, राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण के खिलाफ वकीलों की फौज खड़ी करते रहे, और दूसरी तरफ वे लोग थे जो 'जय श्री राम' का नारा लगाने वालों पर लाठियां बरसाते थे और गोलियां चलाते थे।

राम मंदिरचंदा विवाद पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान: भाजपा का लंकाकांड अयोध्या में होगा

लखनऊ। राम मंदिर ट्रस्ट में महासचिव पद से चंपत राय के इस्तीफे और राम मंदिर चंदे से जुड़े विवाद की जांच के बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा। 'X' पर एक पोस्ट में यादव ने कहा कि दानभक्तों का नकाब आखिरकार उतर गया है क्योंकि भगवान की दैवीय शक्ति ने अपना चमत्कार दिखाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी का 'लंका कांड' अयोध्या में ही होगा। आखिर 'दानभक्तों' का मुखौटा उतर ही गया क्योंकि प्रभु की अलौकिक शक्ति ने अपना चमत्कार दिखा ही दिया। अब भाजपाइयों के अहंकार की चमचमाती लंका के साम्राज्य का भी अंत होगा और 'लंकाधिपति' का भी। सपा नेता ने कहा कि भाजपा के लिए तो अमृतकाल काल बनकर आया है। उन्होंने कहा कि ये सरकार तो कहती थी कि इसके राज में इस्तीफे नहीं होते हैं। 'चढ़ावा–चंदा–दान चोरी' से आहत जनता कटाक्ष करते हुए कह रही है कि भाजपाई कह रहे हैं कि हमने कहा था कि 'इस्तीफा' नहीं होता, हमने इस्तीफा नहीं 'त्यागपत्र' दिया है। दरअसल अभी तो 'भाजपाई और उनके संगी–साथियों' के काले कारनामों, करतूतों और कारगुजारियों का ये प्रथम अध्याय खुला है। अखिलेश ने कहा कि बँटवारे की इस लड़ाई में अब इनकी 'पार्टी, संघ, सभा, परिषद, वाहिनी और ट्रस्ट की टोली' एक–दूसरे की पोल खोलेगी, इससे पहले कि ये लोग चोरी के माल से भरा अपना 'झोला–बोरा' लेकर इधर–उधर भागें, बार्डर बंद कर दिये जाएं। अभी तो शुरुआत है, अब तो केयर फंड के साथ–साथ अनरजिस्टर्ड लोगों को अपने

कुकृत्यों का हिसाब भी देना होगा। भगवान के ऑडिट से 'भाजपाई–गिरोह' बच नहीं पाएगा। NEET के छात्र कह रहे हैं कि जब इस्तीफे शुरू हो गए हैं तो 'लीकाधिपति' का भी करवा दीजिए। इसके साथ ही उन्होंने एक और एक्स पोस्ट में लिखा कि हमने तो पहले ही कहा था कि CCTV का नाम 'चढ़ावा–चोरी TV' साबित होगा। जिन लोगों ने 'सत्रह' बार लूटा वो सैंकड़ों साल से इतिहास में बदनाम हैं, जिन्होंने केवल ४० दिन में 'सत्तर' बार लूटा वो तो इतिहास में इस महापाप के लिए 'सात' जन्मों के लिए काले अक्षरों में दर्ज हो जाएंगे। ये सोचा जाए जिन्होंने सात हफ्ते में इतनी चोरी कर ली है, उन्होंने पिछले इतने सालों में कितना चुराया होगा, कितना आपस में बाँटा होगा, कितना चुपके से छुपाया–दबाया होगा और कितना अपने मुखिया तक पहुँचाया होगा। अखंड निंदनीय!

राम मंदिर चंदा विवादः एसआईटी जांच जारी, उत्तर प्रदेश बीजेपी का दावा– दोषियों को नहीं बख्शेंगे

लखनऊ। उत्तर प्रदेश बीजेपी प्रमुख पंकज चौधरी ने गुरुवार को कहा कि अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी के मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी और सरकार इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शेगी नहीं। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद (VHP) की FIR की मांग पर चौधरी ने कहा कि मैं भी यही कह रहा हूं कि अगर ऐसा कुछ हुआ है, तो सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार जिम्मेदार लोगों को नहीं बख्शेगी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की जांच के लिए पहले ही एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में सख्त कदम उठाए हैं और एक एसआईटी का गठन किया गया है। एसआईटी की रिपोर्ट आने के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के इस्तीफे की संभावना वाली खबरों पर चौधरी ने कहा कि जांच पूरी होने से पहले कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि जहां तक "मुझे पता है, चंपत राय जी कभी भी ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं

रहे हैं। एसआईटी की रिपोर्ट आने दीजिए। उन्होंने आगे कहा कि जांच पूरी होने से पहले कोई नतीजा नहीं निकाला जाना चाहिए। विपक्ष की आलोचना का जवाब देते हुए, उत्तर प्रदेश बीजेपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि राजनीतिक पार्टियां संस्थानों को बदनाम करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले जांच को पूरा होने देना चाहिए। उन्होंने छप से कहा कि आरोप लगाना विपक्ष का काम है। आज अखिलेश यादव को राम जन्मभूमि की चिंता है, लेकिन जब राम लला टेंट में रह रहे थे, तब उन्हें चिंता नहीं थी। इस मामले की जांच चल रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह बयान अयोध्या के पूर्व SP विधायक पवन पांडे के आरोपों के बाद आया है। उन्होंने दावा किया था कि राम मंदिर के लिए मिले चंदे में से ७ करोड़ से ७.५ करोड़ का गबन किया गया। इन आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर राज्य सरकार ने १४ जून को राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यों वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) का गठन किया।

सपा में फूट की 'गलत जानकारी' फैलाने पर राजीव राय का ओपी राजभर को लीगल नोटिस

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने बुधवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश के मंत्री ओम प्रकाश राजभर को कानूनी नोटिस भेजेंगे। राजभर ने अखिलेश यादव की अगुवाई वाली पार्टी में कथित फूट के बारे में गलत जानकारी फैलाई थी। राय ने कहा कि मैं ओपी राजभर को मेरे खिलाफ गलत जानकारी फैलाने के लिए कानूनी नोटिस भेजने जा रहा हूं। हमारा एक भी सांसद पार्टी नहीं छोड़ेगा। अगर सपा प्रमुख अखिलेश यादव हमसे कहें, तो हमारी पार्टी का हर सांसद भाजपा के पांच विधायकों को समाजवादी पार्टी में शामिल करा देगा। पिछले हफ्ते, राजभर ने दावा किया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और राजीव राय के बीच बैठक हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि घोसी से सांसद राजीव राय एक गुट का नेतृत्व करेंगे और समाजवादी पार्टी से अलग हो जाएंगे। शुक्रवार को राजभर ने समाजवादी पार्टी ;सपाद्ध पर तीखा हमला किया। उन्होंने पार्टी नेता और राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव पर आरोप लगाया कि वे राजभर और मौर्य को यादवों से कमतर समझते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सपा में फूट पड़ेगी और यह बगावत खुद बागी बलिया की धरती से शुरू होगी, क्योंकि ब्राह्मण सब कुछ भूल सकता है! लेकिन अपमान नहीं। उनके इस बयान को बलिया के सांसद सनातन पांडे से जोड़कर देखा जा रहा है, जो इस जिले से समाजवादी पार्टी के एकमात्र लोकसभा प्रतिनिधि हैं। इससे पहले, सपा के एक सम्मेलन के दौरान ब्राह्मण समुदाय के अपमान के आरोप भी लगे थे। राजभर ने X पर पोस्ट किया कि पूरे बहुजन समाज ने सुना और देखा है कि अहंकारी रामगोपाल यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और मेरे बारे में क्या कहा। रामगोपाल यादव हमेशा राजभर और मौर्य को यादवों से कमतर समझते रहे हैं। वे अपने घरों में हमारे लिए अलग बर्तन रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पार्टी में फूट पड़ेगी... बची हुई पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष असली चाचा होंगे, क्योंकि वही पार्टी को फिर से खड़ा कर सकते हैं। दूसरे अहंकारी चाचा प्रोफेसर से प्राइमरी स्कूल के मास्टर बन जाएंगे, और अखिलेश जी के 'शिव'; चाचा इसे सच कर दिखाएंगे।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाईः साइन सिटी प्लॉट घोटाले का आरोपी गिरफ्तार, 1 लाख रुपये का था इनामी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने साइन सिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में जमीन और प्लॉट के नाम पर निवेश कराकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के सक्रिय आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी मो. शमशाद अंसारी निवासी प्रयागराज है, जो जनपद सुल्तानपुर से १ लाख रुपये का इनामी अपराधी था। आरोपी को एसटीएफ की टीम ने प्रयागराज के उतरांव क्षेत्र में जीटी रोड के

किनारे से गिरफ्तार किया। जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपी साइन सिटी इन्फ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े ठगी के मामलों में वांछित चल रहा था। कंपनी पर आरोप है कि उसने लोगों को जमीन और प्लॉट उपलब्ध कराने का झांसा देकर बड़ी संख्या में निवेश कराया और इसके बाद करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की गई। एसटीएफ अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों, ठगी से जुड़े नेटवर्क और आर्थिक लेन–देन की जानकारी जुटाने में लगी है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

अखिलेश की लठैतवादी गैंग कर रही सस्ती राजनीति : केशव मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा विवाद को लेकर सपा–कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों को राम मंदिर से स्वाभाविक चिढ़ है और अब उन्होंने इंडिया गठबंधन को भी इसमें घसीट लिया है। केशव मौर्य ने कहा, 'इस मुद्दे पर झूठ, भ्रम और जहर फैलाना इनका खास शगल बन गया है। पहले श्रीराम मंदिर का विरोध किया, और अब जांच पूरी होने से पहले ही प्रसाद को लेकर बेवजह विरोध कर रहे हैं।' सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर सीधा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव और उनकी 'लठैतवादी गैंग' एक तरह से सस्ती राजनीति कर रहे हैं।

केशव मौर्य ने बताया कि जांच और एफआईआर के बाद गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। यह तय है कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन सनातन विरोधी और राम विरोधी तत्व अपनी दुर्भावनापूर्ण मानसिकता उजागर करने से बाज नहीं आते। केशव प्रसाद मौर्य ने २०२७ विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया, 'उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि २०२७ में फिर कमल खिलेगा।' उन्होंने अपने बयान का अंत 'जय श्री राम!' के नारे से किया। दरअसल, राम मंदिर के प्रसाद की गुणवत्ता को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए थे। इसके बाद सरकार ने एसआईटी गठित की थी। जांच में गड़बड़ी सामने आने पर एफ आई आर दर्ज कर कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी को लेकर सपा और कांग्रेस लगातार सरकार को घेर रही हैं।

यूपी में बिजली दरों पर सस्पेंस खत्म, जानें क्या इस बार महंगी होगी बिजली?

लखनऊ। प्रदेश में वर्ष–२६–२७ की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) और नई बिजली दरों को लेकर सभी जनसुनवाई और राज्य सलाहकार समिति की बैठकें पूरी हो चुकी हैं। अब प्रदेश विद्युत नियामक आयोग किसी भी समय नई बिजली दरों की घोषणा कर सकता है। ऐसे में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद को उम्मीद है कि इस बार बिजली दर निर्धारण में नया रिकॉर्ड बनेगा और बिजली कंपनियों की साजिश बेनकाब होगी। परिषद के अध्यक्ष और राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बिजली कंपनियों पर प्रदेश के उपभोक्ताओं का ५१ हजार करोड़ रुपये से अधिक का सरप्लस है। इसी मुद्दे की प्रभावी पैरवी के चलते पिछले छह वर्षों से प्रदेश में बिजली दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इस बार नोएडा पावर कंपनी के मामले पर परिषद विशेष नजर बनाए हुए है, जिससे वहां उपभोक्ताओं को मिलने वाला १० प्रतिशत बिजली दर रिबेट समाप्त न किया जा सके। परिषद अध्यक्ष के अनुसार, बिजली कंपनियों ने वर्ष–२४–२५ के ट्रू–अप में ३,६६५

करोड़ रुपये और वर्ष–२६–२७ के लिए १२,४५३ करोड़ रुपये का राजस्व घाटा दिखाकर कुल १६,४४८ करोड़ रुपये के आधार पर बिजली दरें बढ़ाने की मांग की है। परिषद ने तथ्यों और आंकड़ों के साथ इसका विरोध किया है। वहीं, स्मार्ट प्रीपेड मीटरिंग योजना पर प्रस्तावित ३,८३८ करोड़ रुपये का खर्च उपभोक्ताओं के बिलों में जोड़ने के प्रयास पर भी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई गई है। परिषद को भरोसा है कि आयोग उपभोक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संतुलित और न्याय संगत फैसला देगा।

इटौंजा में अचानक मकान का छज्जा गिरने से दो बच्चों की मौत, आठ घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के इटौंजा थाना इलाके में एक मकान का छज्जा अचानक गिरने से १२ साल के दो किशोरों की मौत हो गई जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, हादसा शुक्रवार रात करीब १०:१५ बजे इटौंजा थाना क्षेत्र के मोहना के पखारिया मोहल्ले में हुआ। उन्होंने बताया कि मुहर्रम के जुलूस के दौरान एक घर की छत से लोगों को पेय पदार्थ बांटे जा रहे थे। उन्होंने बताया कि अचानक छज्जा भरभराकर गिर गया, जिसकी चपेट में आकर १० लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने अली (१२) और अरमान (१२) को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर है जिन्हें किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के ट्रॉमा सेंटर में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल इलाके में कानून–व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

इंदिरा कैनाल रोड पर एसटीएफ की मुठभेड़, एक लाख का इनामी बदमाश ढेर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के साथ शनिवार को यहां हुई मुठभेड़ में एक इनामी बदमाश मारा गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह मुठभेड़ लखनऊ में इंदिरा कैनाल रोड पर हुई, जिसमें आंबेडकर नगर जिले के चक कोदार गांव का निवासी संजय उर्फ संजीव मारा गया, उस पर एक लाख रुपये का ईनाम था। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्थाध्एसटीएफ) अमिताभ यश ने एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार को इंदिरा कैनाल रोड पर अपर पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम के साथ हुई मुठभेड़ के दौरान संजय उर्फ संजीव को गोली लगी। यश ने बताया कि उसे प्राथमिक उपचार के लिए ड राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक संजय एक कुख्यात एवं इनामी अपराधी था, जो एक माह पहले २७ मई को पीजीआई थानाक्षेत्र में हुई बिल्डर संदीप सिंह की हत्या मामले में

मुख्य शूटर था। आरोप है कि वह आंबेडकर नगर, बस्ती और अयोध्या जिलों में हत्या के कई मामलों में भी शामिल था। वह पिछले १५ वर्षों से अपराधिक गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने बताया कि संजय ने आंबेडकर नगर में कुख्यात अपराधियों दिलीप वर्मा और खान मुबारक के गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर हत्या समेत कई गंभीर अपराध किए थे। उस पर वर्ष २०११ से ही विभिन्न थानों में हत्या, लूट और हत्या के प्रयास समेत कुल ११ मामले दर्ज हैं। एडीजी ने बताया कि संजय की गिरफ्तारी पर लखनऊ के पुलिस आयुक्त ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

धर्मांतरण का दबाव और शादी छिपाकर संबंध बनाने के आरोप में युवक गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पुलिस ने एक युवती पर कथित तौर पर धर्म परिवर्तन (धर्मांतरण) का दबाव बनाने, अपनी शादी की बात छिपाकर अवैध संबंध स्थापित करने और मारपीट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

लखनऊ पुलिस द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में इस पूरी कार्रवाई की जानकारी दी गई है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी युवक की पहचान २१ वर्षीय साहिल हुसैन के रूप में हुई है, जो लखनऊ के मकबूलगंज इलाके का रहने वाला है। पीड़ित युवती ने शुक्रवार को लखनऊ के अमीनाबाद थाने में आरोपी साहिल हुसैन के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता का आरोप है कि साहिल ने उस पर धर्म परिवर्तन करने का लगातार दबाव बनाया। इसके अलावा उसने अपने विवाहित होने की बात को छिपाकर उसके साथ अवैध संबंध बनाए और विरोध करने पर उसके साथ मारपीट तथा गाली–गलौज भी की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी साहिल हुसैन के खिलाफ सख्त कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। भारतीय न्याय संहिता **(BNS)** की धारा ६६: धोखे से यौन संबंध बनाना। **BNS** की धारा ११५(२): जानबूझकर किसी को चोट पहुंचाना। ठछै की धारा ३५२: शांति भंग करने के इरादे से किसी का अपमान करना। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, २०२१ की सुसंगत धाराएं। पुलिस द्वारा की गई शुरुआती पूछताछ में आरोपी साहिल हुसैन ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसने पुलिस को बताया कि पीड़िता से उसकी पहली मुलाकात और दोस्ती सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' **(Instagram)** के जरिए हुई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपनी गलती के लिए माफी भी मांगी है। फिलहाल पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

तीन दिन के दौरे पर सेशेल्स पहुंचे PM मोदी, राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने किया गर्मजोशी से स्वागत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को तीन दिन की सरकारी यात्रा पर सेशेल्स पहुँचे। इस यात्रा के दौरान वे राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ बातचीत करेंगे और द्वीपों से बने इस देश के श्नेशनल डेश के गोल्डन जुबली समारोह में शामिल होंगे। सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हर्मिनी और एक उच्च–स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मोदी का भव्य स्वागत किया। प्रधानमंत्री को औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया। राष्ट्रपति हर्मिनी के निमंत्रण पर राजकीय यात्रा पर गए मोदी 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के तौर पर नेशनल डे के समारोह में शामिल होंगे। वह सेशेल्स की नेशनल असेंबली को भी संबोधित करेंगे और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत करेंगे। अधिकारियों

ने बताया कि समारोह में भारतीय सशस्त्र बलों का एक दल और भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले २०१५ में सेशेल्स की यात्रा की थी। भारत और सेशेल्स के बीच साझा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा लोगों के बीच परस्पर संबंधों पर आधारित लंबे समय से घनिष्ठ साझेदारी रही है। अधिकारियों ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी के रूप में सेशेल्स का भारत के विजन महासागर (क्षेत्रों में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र प्रगति) तथा ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विशेष स्थान है। ग्लोबल साउथ शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

चाइना के १०६ मंजिला 'बुर्ज खलीफा' से टकराया विमान, उड़ गए परखच्चे

नई दिल्ली। चीन की राजधानी बीजिंग शाम का वक्त और अचानक आसमान से मौत बरसने लगती है। १७०० फीट ऊंची बीजिंग की सबसे गगनचुंबी इमारत सिट्रिक टावर से एक ऐसा मंजर टकराता है जिसे देख पूरी दुनिया दहल जाती है। बीजिंग की १०६ मंजिला ऊंची इमारत जो आसमान को चीरती हुई खड़ी है उससे एक छोटा विमान यानी कि लाइट स्पॉट एयरक्राफ्ट सीधे जा टकराया। टक्कर इतनी तेज थी कि १०६वीं मंजिल की खिड़कियां कांच के पत्तों की तरह बिखर गई। इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर मलबे की बारिश होने लगी और देखते ही देखते धुएं का गुबार आसमान छूने लगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस विमान ने महज ३० मिनट पहले शिफोसी एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। पायलट अकेला था। सब कुछ सामान्य लग रहा था। शाम के ५:४० बज रहे थे। विमान लैंडिंग के लिए वापस मुड़ने ही वाला था। लेकिन तभी किस्मत ने करवट ली। फ्लाइट मॉनिटरिंग सिस्टम के डाटा के मुताबिक विमान अपने तय रास्ते से बुरी तरह भटक गया। रडार पर सिग्नल तब दिखा जब तक वो बीजिंग की ईस्ट फिफ्थ रिंग रोड के पास नहीं पहुंचा और फिर सन्नाटा विमान का संपर्क टूट गया और कुछ

ही मिनटों बाद वो १७०० फीट ऊंचे टावर के सीने में समा चुका था। जैसे ही टक्कर हुई बीजिंग की सड़कों पर अफरातफरी मच गई। सीएनए के पत्रकारों और चश्मदीदों ने बताया कि इमारत से लोग पागलों की तरह बाहर भाग रहे थे। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की कतारें लग गई। १०६ मंजिला इस इमारत में कितने लोग फंसे थे, इसका अंदाजा लगा पाना भी मुश्किल था। ऊपर की मंजिलों पर फंसे लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। जबकि नीचे मलबे के बीच से धुआं उठ रहा था। यह किसी हॉलीवुड फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा था। लेकिन यह सब हकीकत थी। हैरानी की बात तो यह है कि चीन ने हाल ही में बीजिंग को ड्रोन मुक्त शहर घोषित किया था। १ मई से यहां बिना इजाजत एक पत्ता भी नहीं हिल सकता था। फिर एक पूरा विमान इस सुरक्षा घेरे को तोड़कर शहर की सबसे ऊंची इमारत तक कैसे पहुंच गया? क्या यह सिस्टम की नाकामी है? दरअसल, फ्लाइट ट्रेडर २४ का डाटा बताता है कि विमान का रास्ता सामान्य नहीं था। क्या पायलट बेहोश हो गया था या प्लेन में कोई तकनीकी खराबी थी? जब आप अभी मलबे के नीचे दबे हुए हैं। विमान का रजिस्ट्रेशन कोड बताता है कि यह चीन में ही बना एक हल्का स्पोर्ट्स एयरक्राफ्ट है जो एक स्थानीय जनरल एिएशन कंपनी का था। टक्कर इतनी भीषण थी कि एयरक्राफ्ट के परखच्चे उड़ गए। फिलहाल हताहतों की सटीक संख्या सामने नहीं आई है। लेकिन यह टक्कर १०६वीं मंजिल पर हुई है जो बताती है कि नुकसान कितना बड़ा हो सकता है। राहत और बचाव कार्य अभी भी जारी है।

बाराबंकी में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, ८ से अधिक निजी अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर सील

बाराबंकी। लखनऊ में हुए अग्निकांड की घटना के बाद प्रशासन ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की जांच को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को सिरौलीगौसपुर क्षेत्र में एसडीएम अनिल कुमार सरोज के नेतृत्व में स्वास्थ्य, पुलिस, फायर, पूर्ति विभाग और भारी पुलिस बल की संयुक्त टीम ने बदोसराय और रसूलपुर कस्बों में संचालित प्राइवेट अस्पतालों एवं डायग्नोस्टिक सेंटरों पर छापेमारी की।इस व्यापक कार्रवाई के दौरान टीम ने डायग्नोस्टिक सेंटर तैफी और अपोलो सहित मेडिक्स अस्पताल, केयर पाली क्लीनिक, शिवम पाली क्लीनिक और नेशनल अस्पताल समेत आधा दर्जन से अधिक संस्थानों को सील कर दिया। जांच के दौरान कई अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों में पंजीत डॉक्टरों की अनुपस्थिति पाई गई। वहीं, कई जगहों पर झोला छाप डॉक्टरों द्वारा संचालन किए जाने और मानकों की गंभीर अनदेखी सामने आई। ओटी में एक्सपायरी दवाएं और इंजेक्शन मिलने पर टीम ने उन्हें कब्जे में ले लिया। अधिकारियों ने सभी अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों को आवश्यक दस्तावेज लेकर एसडीएम कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कार्रवाई के दौरान तैफी डायग्नोस्टिक सेंटर के मैनेजर द्वारा अधिकारियों से दुर्व्यवहार किए जाने पर एसडीएम ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र में संचालित अवैध क्लीनिकों और झोला छाप डॉक्टरों में हड़कंप मच गया है।

राजनाथ सिंह का बयान अफवाहों का था जवाब, ऑपरेशन सिंदूर पर भ्रम फैलाने वालों को MoD ने दिया करारा जवाब

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर साफ किया कि २८ जुलाई, २०२५ को संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भाषण को चुनिंदा तौर पर उद्धृत किया गया, ताकि गलत मतलब निकाला जा सके कि सिंह ने दावा किया था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की जान नहीं गई। मंत्रालय ने जोर देकर कहा कि ये बातें जानबूझकर गुमराह करने वाली और तथ्यों के लिहाज से गलत हैं। यह उन रिपोर्टों के जवाब में है जिनमें कहा गया था कि सरकार ने 'ऑ!परेशन सिंदूर' के दौरान शहीद हुए छह जवानों के नाम जारी किए हैं, जबकि संसद में अपने पिछले भाषण के दौरान राजनाथ सिंह ने कहा था कि पाकिस्तान के साथ चार दिन के संघर्ष में भारत का कोई भी जवान शहीद नहीं हुआ। रक्षा मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि जिन लोगों ने मंत्री के संसदीय भाषण को लेकर विवाद खड़ा करने की कोशिश की है, उन्होंने जानबूझकर उनकी बातों के पूरे संदर्भ को नजरअंदाज किया है। मंत्रालय ने कहा कि यह याद रखना जरूरी है कि सिंह के भाषण के समय मीडिया के कुछ हिस्सों और सोशल मीडिया पर एक बात बहुत जोर–शोर से चल रही थी कि 'आ!परेशन सिंदूर'! के दौरान भारतीय पायलट मारे गए थे। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह कहानी पूरी तरह से झूठी थी, फिर भी इसे जोर–शोर से फैलाया जा रहा था ताकि ऑपरेशन की सफलता

को कम किया जा सके और लोगों का मनोबल गिराया जा सके। रक्षा मंत्री ने इसी खास और शरारतपूर्ण कहानी के जवाब में वह बयान दिया था। मंत्रालय ने कहा कि इसलिए, उनकी टिप्पणी उस झूठ का एक लक्षित और संदर्भ–विशेष जवाब थी, जो उस समय तेजी से फैल रहा था। उनके बयान का जिक्र करते हुए, रक्षा मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, यह ऑपरेशन 'सिंदूर' की 'शानदार सफलता का गर्व से भरा और सटीक विवरण' था यह एक ऐसा ऑपरेशन जिसमें भारतीय रक्षा बलों ने बेजोड़ सटीकता, दृढ़ संकल्प और सैन्य पेशेवरपन का प्रदर्शन किया।

राहुल गांधी बोले–हर युवा असुरक्षित, टेट पेपर लीक ये भविष्य की चोरी है

नई दिल्ली। महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) २०२६ को शनिवार को टाल दिया गया, क्योंकि कथित तौर पर प्रश्न पत्र के कुछ हिस्से लीक हो गए थे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया कि देश की शिक्षा और परीक्षा प्रणाली को 'वसूली का तंत्र' बना दिया गया है। यह परीक्षा रविवार को होनी थी। एक

और पेपर लीक। एक और परीक्षा रद्द। इस बार महाराष्ट्र की TET परीक्षा। कांग्रेस सांसद ने एक्स पर कहा देश के शिक्षा और परीक्षा सिस्टम को उगाही का जरिया बना दिया गया है, जिससे देश का हर युवा असुरक्षित महसूस कर रहा है। यह सिर्फ पेपर लीक नहीं है, बल्कि युवाओं के भविष्य की चोरी है। ससे पहले, महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद (MSCE) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि भिवंडी में पुलिस जांच के दौरान कथित तौर पर प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आने के बाद, पूरे राज्य में २८ जून को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को स्थगित कर दिया गया है। यह परीक्षा पूरे महाराष्ट्र में १,०२८ केंद्रों पर आयोजित की जानी थी। MSCE ने अपनी सार्वजनिक सूचना में कहा कि छम्म्ज २०२६ परीक्षा के दौरान सामने आई गड़बड़ियों को देखते हुए उसने सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे, लेकिन शनिवार की सुबह मिली गोपनीय जानकारी से पता चला कि भिवंडी में कुछ लोगों के पास TET प्रश्न–पत्र से जुड़ी जानकारी थी। काउंसिल ने बताया कि भिवंडी पुलिस ने उस जगह पर छापा मारा और जांच के दौरान पाया कि अनधिकृत प्रश्न–पत्र के कई सवाल असली TET परीक्षा के प्रश्न–पत्र से मेल खाते थे। बयान के अनुसार, भिवंडी पुलिस ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। काउंसिल ने कहा, हालात को देखते हुए, २८ जून २०२६ को होने वाली टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (TET) को टाल दिया गया है। इस मामले की विस्तृत जांच के आदेश भी दिए गए हैं।' साथ ही यह भी बताया गया कि परीक्षा से जुड़ी नई जानकारी काउंसिल की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

मोहर्रम पर निकला जुलूस, जंजीरों के मातम से लहूलुहान हुए अकीदतमंद

जगह-जगह लगीं सबीलें, आपसी भाईचारे की दिखी मिसाल

मोहम्मदी खीरी। शिया समुदाय का दसवीं मोहर्रम का जुलूस रविवार को बड़ी अकीदत के साथ शुक्लापुर मस्जिद के समीप से सुबह ६ बजे उठा। जुलूस दोपहर १ बजे गुरैला करबला में सुपुर्द-ए-खाक के साथ संपन्न हुआ। जुलूस में अंजुमन के नौहाख्वानों ने नौहे पढ़े और मातमदारों ने जंजीरों का मातम कर इमाम हुसैन को खिराज-ए-अकीदत पेश की। कई अकीदतमंद मातम करते हुए लहूलुहान हो गए। जुलूस शुक्लापुर तिराहा, नत्थू चौराहा, पुत्तनी चौराहा, गांधी पार्क, बाजारगंज, अस्पताल रोड और बर्बर चौराहा होते हुए करबला पहुंचा। पूरे रास्ते जगह-जगह पानी और शरबत की सबीलें लगाई गईं। ब्ल क प्रमुख के बेटे अतुल बाजपेई, नत्थू चौराहे पर त्रिमोहन लाल गुप्ता के बेटे सुधीर गुप्ता, अमान गिफ्ट सेंटर, अतुल रस्तोगी, गुप्ता मेडिकल स्टोर और समाजसेवी शिवम राठौड़ ने सबीलों की व्यवस्था की। जुलूस में आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिली। प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीएम चलुवराजु आर, सीओ अरुण कुमार सिंह, कोतवाल उमेश चंद्र चौरसिया, कस्बा इंचार्ज अखिलेश चौरसिया, अधिशासी अधिकारी, स्वास्थ्य और विद्युत विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। जुलूस का नेतृत्व अंजुमन के अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी ने किया।

तिकुनियां पावर हाउस पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू,

बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ताओं ने उठाई बड़े ट्रांसफार्मर की मांग

तिकुनियां (खीरी)। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बिजली कटौती को लेकर उपभोक्ताओं और किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। तिकुनियां पावर हाउस के अंतर्गत आने वाले गांवों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बदहाल होने का आरोप लगाते हुए किसानों ने सोमवार से पावर हाउस परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच बिजली की समस्या लगातार बनी हुई है। कई-कई घंटे बिजली कटौती के कारण लोगों को

परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक क्षेत्र में ५ से ६ घंटे भी नियमित बिजली मिलना मुश्किल हो गया है, जबकि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में १८ से २० घंटे बिजली आपूर्ति का दावा कर रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सरकारी दावे धरातल पर नजर नहीं आ रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि तिकुनियां पावर हाउस पर पहले भी बिजली समस्या को लेकर कई बार प्रदर्शन किए जा चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। किसानों की मुख्य मांग है कि क्षेत्र में क्षमता के अनुसार बड़ा ट्रांसफार्मर लगाया जाए, जिससे बिजली आपूर्ति में सुधार हो सके। किसानों ने ऐलान किया है कि जब तक पावर हाउस पर बड़ा ट्रांसफार्मर नहीं लगाया जाता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। उन्होंने क्षेत्र के सभी ग्रामीणों और किसानों से अपील की है कि बिजली समस्या के समाधान के लिए अधिक से अधिक संख्या में धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन में सहयोग करें। वहीं, बिजली विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब देखने वाली बात होगी कि विभाग किसानों की मांग पर क्या कदम उठाता है।

२८ जून से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियानः

सीएमओ ने जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

लखीमपुर खीरी।जिले में २८ जून से शुरू होने वाले व्यापक पल्स पोलियो अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। इस अभियान की सफलता और जन-जागरूकता के उद्देश्य से शनिवार सुबह सीएमओ कार्यालय से एक जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर उनके साथ जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. रवि सिंह और जिला महिला चिकित्सालय की वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. सुषमा मुख्य रूप से मौजूद रहीं। सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बताया कि इस बार पल्स पोलियो अभियान के तहत पूरे जनपद में ७,३३,३३५ बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का विशाल लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने जिले के सभी अभिभावकों और जागरूक नागरिकों से भावुक अपील करते हुए कहा किरू ''५ वर्ष तक की आयु के कोई भी बच्चे इस जीवन रक्षक खुराक से वंचित न रहें। अपने बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें आप स्वयं अपने नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं।' साथ ही उन्होंने बताया कि भारत देश आधिकारिक रूप से पोलियो से मुक्त हो चुका है। हालांकि, पड़ोसी देशों में अभी भी इस बीमारी के मामले सामने आते रहते हैं। वहां से यह संक्रामक बीमारी दोबारा हमारे देश के बच्चों को अपनी चपेट में न ले ले, इसी एहतियात के तौर पर सरकार द्वारा समय-समय पर इस राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। विगत वर्ष दिसंबर २०२४ में यह अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया था, जिसके पश्चात अब २८ जून २०२६ से इस अभियान को धरातल पर उतारा जा रहा है। शनिवार को निकाली गई जागरूकता रैली के माध्यम से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने स्लोगन और नारों के जरिए 'दो बूंद जिंदगी की' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया, ताकि रविवार से शुरू हो रहे बूथ दिवस पर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सके।

निर्जला एकादशी पर खाटू श्याम मंदिर में उमड़े श्रद्धालु, भजनों पर झूमे भक्त

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ग्राम कंजादेव स्थित सुप्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर में बुधवार को निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर भक्ति और श्रद्धा का अद्भुत नजारा

दिखा। श्री श्याम दीवाने सेवा समिति द्वारा आयोजित भव्य संकीर्तन में हजारों भक्तों ने श्हारे के सहारे की जयश और श्खाटू नरेश की जयश के जयकारों से क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। भजन गायक अजय गुप्ता और शिवम गुप्ता ने श्ओ सांवरे मुझे तेरी जरूरत हैश, श्हारा हूं बाबा पर तुझ पर भरोसा हैश और श्मेरे रघुवर तेरा सहारा हैश जैसे भावपूर्ण भजनों से समां बांध दिया। फूलों से सजे दरबार और इत्र की सुगंध से वातावरण भक्तिमय हो गया। मंदिर के पुजारी संतोष पाठक ने बताया कि निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार महर्षि वेदव्यास ने भीमसेन को वर्षभर की सभी एकादशियों का फल पाने के लिए यह एक व्रत करने का उपदेश दिया था। इस दिन सूर्योदय से द्वादशी तक अन्न और जल का त्याग किया जाता है। मान्यता है कि इससे संचित पाप नष्ट होते हैं और भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है। संकीर्तन के समापन पर भव्य आरती हुई और हजारों भक्तों में प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर अध्यक्ष दीपक राजपूत, महामंत्री अजय गुप्ता, संरक्षक अनिल जलोटा, संजू गुप्ता, अनिरुद्ध गुप्ता, बबलू जायसवाल, शिवम गुप्ता समेत भारी संख्या में श्याम प्रेमी मौजूद रहे।

मजदूर-मिस्त्रियों की पोस्टिंग का मुद्दा सीएम-पीएम के सामने उठाने की मांग

मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एससी-एसटी आयोग अध्यक्ष से की भेंट

लखीमपुर खीरी। मनरेगा मजदूर मिस्त्री महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्वकर्मा समाज के वरिष्ठ नेता ऋषि संतोष कुमार

शर्मा ने गुरुवार को लखीमपुर खीरी में पत्रकारों से वार्ता की। उन्होंने बताया कि २५ जून २०२६ को इंदिरा भवन लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ रावत से भेंट की। आयोग अध्यक्ष ने पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। श्री शर्मा ने हरिजन कल्याण और मजदूर-मिस्त्रियों की पोस्टिंग को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि आजादी के ७८ वर्ष बाद भी मजदूर, मिस्त्री और किसान गुलामी का जीवन जी रहे हैं, क्योंकि सभी विभागों में अब तक मजदूर-मिस्त्रियों की पोस्टिंग नहीं हुई है। उन्होंने मांग की कि यह मुद्दा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष उठाया जाए। श्री शर्मा ने कहा कि मजदूर की न्यूनतम मजदूरी ७०० रुपये, मिस्त्री की १००० रुपये और गन्ना मूल्य ८०० रुपये प्रति कुंटल होना चाहिए। साथ ही उन्होंने मांग की कि किसानों को आधी मजदूरी पर मनरेगा मजदूर उपलब्ध कराए जाएं, बाकी भुगतान सरकार करे। इसके बाद उन्होंने उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के संयुक्त निदेशक विकास शर्मा से मुलाकात की और शादी अनुदान व राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की राशि बढ़ाने की मांग रखी। इस दौरान सोशल मीडिया सेल के राष्ट्रीय प्रभारी मिश्रा शर्मा एडवोकेट भी मौजूद रहे।

केतन अग्रवाल की हत्याः सिया के पिता बोले– मेरी बेटी दोषी है तो उसे फांसी दो या लोहगढ़ किले से फेंक दो

नई दिल्ली। सिया गोयल के पिता प्रवीण गोयल ने कहा है कि अगर उनकी बेटी अपने मंगेतर केतन अग्रवाल की हत्या की दोषी पाई जाती है, तो उसे सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए, जिसमें मौत की सजा भी शामिल है। गोयल ने कहा कि वह अपनी बेटी पर लगे आरोपों को अभी भी स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उसकी गिरफ्तारी के सदमे की वजह से उन्हें आईसीयू (ICU) में भर्ती होना पड़ा था। हार्ट अटैक आने के बाद अभी उनका पुणे के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि, गोयल ने साफ कर दिया कि एक पिता के तौर पर उनकी भावनाएं न्याय के रास्ते में नहीं आएंगी। उन्होंने कहा कि अगर मेरी बेटी दोषी पाई जाती है, तो कोर्ट को न्याय में देरी नहीं करनी चाहिए। उसे वही सजा मिलनी चाहिए। एक पिता के तौर पर मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। इंटरव्यू के दौरान एक समय गोयल ने और आगे बढ़कर कहा कि अगर आरोप साबित हो जाते हैं, तो उनकी बेटी भी उसी हश्र की हकदार है, जैसा केतन का हुआ था जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि लोहगढ़ किले में उसके साथ वैसा ही हुआ था। आपको बता दें कि पुणे के रियल एस्टेट व्यापारी केतन अग्रवाल की मंगेतर सिया ने १८ जून को लोहागढ़ किले में अपने प्रेमी चेतन चौधरी को पहले से निर्धारित इशारा किया, जिसके बाद चेतन ने केतन को खाई में धकेल दिया। मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधि

ाकारी ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। अधिकारी के मुताबिक, सिया और चेतन ने एक–दूसरे के साथ भागने के बजाय केतन की हत्या का फैसला किया, क्योंकि उन्हें डर था कि भागने से उनके परिवारों की बदनामी होगी। उन्होंने कहा कि शुरू में सिया और चेतन ने एक–दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश की, जो पूछताछ के दौरान अपराधियों के लिए आम बात है। हालांकि, आखिरकार सिया ने मान लिया कि उसने ही साजिश रची थी और चेतन भी उस योजना में शामिल था। अधि ाकारी के अनुसार, चेतन ने शुरू में दावा किया कि वह किले में मौजूद था, लेकिन उस जगह पर नहीं गया, जहां से केतन को खाई में धकेला गया था और उसे नहीं पता कि वहां वास्तव में हुआ क्या था। उन्होंने बताया कि हालांकि, यह साफ था कि वह झूठ बोल रहा है। आखिरकार दोनों ने अपराध में अपनी–अपनी भूमिका स्वीकार कर ली और घटनाक्रम का पूरा ब्योरा दिया। अधिकारी ने कहा कि तय योजना के तहत सिया (२०) को बैठकर इशारा करना था, जिसके बाद चेतन (२२) को आगे आना था और केतन को खाई में धक्का देना था। उन्होंने योजना को बिल्कुल वैसे ही अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि सिया और चेतन ने हमें बताया है कि क्या हुआ था और कैसे हुआ था। केतन को जरा भी अंदाजा नहीं था कि उसके साथ क्या होने वाला है। वह कुछ भांप पाता, उससे पहले ही उसे खाई में धकेल दिया गया।

'अमीर नगर मे उठा ताजियो का जुलूस' 'अपर पुलिस अधीक्षक ने सभाली सुरक्षा की कमान'

मोहम्मदी खीरी, अमीर नगर ऐतिहासिक ताजिया मेला में इस बार शासन की गाइड लाइन के साथ ताजियों की ऊंचाई बारह फिट की है और ताजिया अट्ठाईस जून को सुपुर्द ए खाक होंगे जबकि सौहार्द की अनूठी मिसाल देखने को मिल रही है। मेले में हिंदू मुस्लिम एकता की जिंदा धरोहर लोगों के लिए उदाहरण है। मेले को शांति सुरक्षा और सद्भावना से निपटाये जाने की बागडोर अपर

मेले में बड़े बड़े–ताजिया हुआ करते थे लेकिन इस बार ऐसा नही है फिर भी ताजिया दारों में पूरा उत्साह और जोश नजर आ रहा है। ताजिया दारों अपने अपने गांवों से ताजिया लेकर या हसन या हुसैन की सदाए लगाते हुए कर्बला शरीफ के मैदान में पहुंच चुके है। और बैंड बाजा ओ की मातमी धुन और कलाकारी लोगों के लिए मन मोहक बनी हुई है। और अकीदतमंद अपना अकीदा पेश कर रहे हैं और मनौती के ताजिया भी रख रहे हैं। हर तरफ भाईचारा और सामाजिक पुलिस अधीक्षक अमित कुमार राय ने संभाली हैं और मेले में एस डी एम गोला युगान्तर त्रिपाठी और सी ओ मोहम्मदी अरुण कुमार सी ओ जावेद इकबाल खान सिंह भी अपनी अपनी टीम के साथ जुम्मे दारी निभा रहे हैं जबकि मेले में भारी संख्या में भीड़ का आवागमन चल रहा है।मेले की चाक–चौबंद दिख रही है और शांति सकुशल मेला संपन्न करवाएं जाने को लेकर सुरक्षा की दृष्टि से मेला को चार सेक्टरों में बांटा गया। और मेला मजिस्ट्रेट भी मौजूद हैं।

ज्येष्ठ माह के पावन पवित्र महीने के अंतिम शनिवार को सामूहिक भंडारे का आयोजन

लखीमपुर खीरी। ज्येष्ठ माह के पावन पवित्र महीने के अंतिम शनिवार को सामूहिक भंडारे का हुआ आयोजन।यह आयोजन भारतीय जनता पार्टी १३८ निघासन के समस्त कार्यकर्ताओं की ओर से आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत बाला जी का पूजन अर्चन के साथ हुई जिसके बाद क्षेत्र से आए भारी संख्या में लोगों ने भंडारा प्रसाद ग्रहण किया,इस भंडारा आयोजन में झंडी स्टेट के राजा राजेश्वर सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अमनदीप सिंह, विनोद लोधी, देवेंद्र कुमार पाण्डेय, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, अंशुल दीक्षित, शशिकांत चतुर्वेदी, आनंद चतुर्वेदी, संदीप अवस्थी, डॉ. रक्षपाल लोधी, वेदराम चौहान, सतीश लोधी के साथ, राजकुमार सिंह, सहित १३८ विधानसभा के समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

२१ साल बाद खुला पालघर का रहस्यमय हत्या कांड यूपी में ई–रिक्शा चला रहा था कातिल दोस्त

प्रयागराज। महाराष्ट्र पुलिस ने ४१ साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति पालघर जिले में अपने दोस्त की कथित तौर पर हत्या करने के बाद २१ साल से फरार था और उत्तर प्रदेश में भेष बदलकर रह रहा था। आरोपी राजेश सुरेश सोनकर को मीरा भायंदर–वसई विरार पुलिस ने गुरुवार को प्रयागराज जिले के एक गाँव से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि हत्या के लंबे समय से लंबित मामलों की नई जाँच के बाद, इस मामले में एक अहम सुराग मिला जो सालों से अनसुलझा था। उन्होंने कहा कि जाँचकर्ताओं ने एक गुप्त सूचना मिलने और साइबर फोरेंसिक व तकनीकी विश्लेषण का इस्तेमाल करके सोनकर की लोकेशन का पता लगाया। क्राइम ब्रांच के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस मदन बल्लाल ने बताया कि सोनकर ने अपनी असली पहचान छिपाई हुई थी और वह उत्तर प्रदेश में ई–रिक्शा ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। यह मामला २७ दिसंबर, २००५ का है, जब पालघर के भाटीबंदर गांव में एक खाड़ी के पास ३० साल के दिलीप तुकाराम चव्हाण का शव मिला था। चव्हाण की मौत सिर पर गंभीर चोट लगने से हुई थी, जिसके बाद विरार पुलिस स्टेशन में IPC की धारा ३०२ और २०१ के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, उस समय कोई सुराग न मिलने के कारण जांच आगे नहीं बढ़ पाई थी। यह कामयाबी तब मिली जब महाराष्ट्र पुलिस ने मीरा–भायंदर और वसई–विरार कमिश्नरेट इलाके में अनसुलझे मर्डर केस की समानांतर जांच के आदेश दिए। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने केस की फाइलों को फिर से देखा, क्राइम सीन से मिली चीजों की दोबारा जांच की और २००५ के गवाहों से फिर से पूछताछ की। पुलिस ने बताया कि मामले में अहम मोड़ तब आया जब एक मुखबिर ने बताया कि मुख्य संदिग्ध उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक गांव में छिपा हुआ है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सोनकर ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने जांच करने वालों को बताया कि वह और चव्हाण दोस्त थे और एक होटल में सफाई कर्मचारी के तौर पर साथ काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, सोनकर ने कहा कि चव्हाण के एक जानकार ने उसकी पत्नी के साथ रेप किया था और उसे शक था कि चव्हाण ने उस अपराध में आरोपी की सक्रिय रूप से मदद की थी। गुस्से में आकर उसने कथित तौर पर चव्हाण की पीट–पीटकर हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को ठिकाने लगा दिया। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद सोनकर तुरंत महाराष्ट्र से भाग गया।

'ऐल्फा' की निर्माण झलक में दिखा आलिया–शर्वरी का दम

मुम्बई। यश राज फिल्म्स ने अपनी आगामी फिल्म 'ऐल्फा' की निर्माण–प्रक्रिया से जुड़ा एक विशेष वीडियो जारी किया है, जिसमें अभिनेत्रीआलिया भट्ट और शर्वरी फिल्म के चुनौतीपूर्ण मारध ाड़ वाले दृश्य स्वयं करती नजर आ रही हैं। वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला प्रधान फिल्म 'ऐल्फा' के इस विशेष वीडियो में दोनों अभिनेत्रियों की कड़ी मेहनत, प्रशिक्षण और समर्पण की झलक दिखाई गई है। वीडियो में आमने– सामने की लड़ाई, गोलीबारी, चाकूबाजी और बड़े पैमाने पर फिल्माए गए जोखिमभरे करतबों को अंजाम देने की प्रक्रिया को दर्शाया गया है। फिल्म के निर्देशक शिव रवैल ने बताया कि इन कठिन श्यों के लिए आलिया और शर्वरी ने लंबे समय

तक विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि दर्शकों को इस फिल्म में आलिया का बिल्कुल नया रूप देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि फिल्म के कई कठिन और जोखिमपूर्ण श्य आलिया ने स्वयं किए हैं। फिल्म के एक्शन डायरेक्टर क्रैग मैक्रे ने कहा कि फिल्म में हवा में घूमते हुए करतब, विस्फोट, गोलीबारी और चाकू से लड़ाई जैसे कई रोमांचकारी दृश्य हैं, जो दर्शकों को रोमांच से भर देंगे। वीडियो में आलिया और शर्वरी को कठिन और तेज गति वाले दृश्यों में पूरे आत्मविश्वास और सटीकता के साथ प्रदर्शन करते देखा जा सकता है। निर्माताओं का दावा है कि फिल्म का मारधाड़ पक्ष दर्शकों को एक नया अनुभव देगा। आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित और शिव रवैल के निर्देशन में बनी 'ऐल्फा' तीन जुलाई को विश्वभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

बाबरी मस्जिद के चंदे का हिसाब क्यों नहीं? राम मंदिर मामले पर ब्रजेश पाठक का विपक्ष से तीखा सवाल।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर पैदा किया गया विवाद समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस की साजिश का हिस्सा है। उन्होंने सवाल किया कि बाबरी मस्जिद के लिए एकत्र किए गए चंदे का क्या हुआ, इस बारे में कोई सवाल क्यों नहीं उठा रहा है। मिर्जापुर में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर पूछे गए एक सवाल से नाराज पाठक ने कहा, ''बाबरी मस्जिद के लिए भी चंदा एकत्र किया गया था। उस पैसे का क्या हुआ, यह कोई नहीं पूछ रहा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं और मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए सनातन धर्म पर हमला कर रही हैं।'' इससे एक दिन पहले, अयोध्या पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की सिफारिश पर राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया

गया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों को नामजद किया गया है, जबकि वरिष्ठ पदाधिकारियों को बचाया जा रहा है। विपक्ष के इस आरोप पर कि केवल कनिष्ठ कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, पाठक ने कहा कि पुलिस निष्पक्ष जांच करेगी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार भ्रष्टाचार को लेकर कतई न बर्दाश्त करने की नीति पर काम करती है। उन्होंने कहा, ''क्या आप पुलिस में हैं या हम? पुलिस इस मामले की निष्पक्ष जांच करेगी।'' हालांकि, पाठक ने संवाददाताओं से विपक्षी नेताओं से बाबरी मस्जिद के लिए एकत्र किए गए चंदे के बारे में भी सवाल पूछने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं। उपमुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सीमावर्ती जिलों में अवैध रूप से संचालित मदरसों को आतंकवादी गतिविधियां संचालित करने के लिए धन मुहैया कराया जा रहा है। पाठक ने कहा कि राज्य सरकार ऐसे संस्थानों की जांच कर रही है, अवैध रूप से संचालित मदरसों को बंद कराया जा रहा है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जेल भेजा जा रहा है।

लोनावला स्थित घर में मानसून का आनंद ले रहीं हैं तनीषा मुखर्जी

मुम्बई। बॉलीवुड अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी इन दिनों लोनावला स्थित अपने घर में मानसून के सुहाने

मौसम का भरपूर आनंद ले रही हैं। तनीषा मुखर्जी ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वह हरियाली, धुंध और बारिश के बीच सुकून के पल बिताती नजर आ रही हैं। साझा की गई तस्वीरों में तनीषा खूबसूरत प्राकृतिक नजारों के बीच गर्म चाय की चुस्कियां लेते हुए मानसून का आनंद उठाती दिखाई दे रही हैं। शांत वातावरण और पहाड़ों से घिरी वादियों के बीच उनका सहज अंदाज बारिश के मौसम की खूबसूरती को बखूबी दर्शाता है। व्यस्त शहरी जीवन से दूर लोनावला स्थित अपना घर तनीषा के लिए सुकून और प्रकृति के करीब रहने की खास जगह है। चारों ओर फैली हरियाली, बादलों से ढका आसमान और ठंडी हवाओं के बीच तनीषा ने बारिश के मौसम के यादगार पलों को कैमरे में कैद किया। तनीषा की इन तस्वीरों को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है। फैंस ने म नसून के खूबसूरत नजारों और तनीषा के सादगी भरे अंदाज की जमकर सराहना की। चाय की चुस्कियों से लेकर बारिश की फुहारों तक, तनीषा का यह मानसून अपडेट प्रकृति के बीच जीवन की छोटी–छोटी खुशियों का आनंद लेने का संदेश देता है।

अतिक्रमण पर प्रशासन का सख्त एक्शन

लखीमपुर खीरी में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। संकटा देवी मंदिर से सुभाष पार्क तक प्रशासन का ष्पीला पंजाष चला और सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। नगर पालिका और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान सड़क पर रखा अवैध सामान जब्त किया गया। अभियान के दौरान समोसा दुकानों की भट्टियां, काउंटर, मेज–कुर्सियां समेत अन्य सामान हटाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि सड़क और फुटपाथ पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अधिकारियों ने नागरिकों से सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करने की अपील की है।

'द इंडिया स्टोरी' का दमदार टीजर रिलीज

मुम्बई। बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द इंडिया स्टोरीरू स्लो पॉइजन इन प्रोग्रेस' का दमदार टीजर रिलीज कर दिया गया है। अभिनेत्री काजल अग्रवाल और अभिनेता श्रेयस तलपड़े अभिनीत यह फिल्म देश में बढ़ती कीटनाशक खेती और उससे समाज व लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे गंभीर प्रभावों को केंद्र में रखती है।जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी, पटकथा और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। यह फिल्म २४ जुलाई २०२६ को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर में काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के किरदारों को न्याय की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है, जो कीटनाशक खेती की भयावह सच्चाई को सामने लाने का प्रयास करते हैं। टीजर यह संदेश देता है कि जहरीले रसायन धीरे–धीरे हमारी रोजमर्रा की खाद्य सामग्री का हिस्सा बनते जा रहे हैं और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। भावनात्मक और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानी के जरिए फिल्म एक ऐसे

मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करती है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। निर्देशक चेतन डीके ने कहा, "द इंडिया स्टोरी सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसी बातचीत है जिसे समाज में शुरू करने की जरूरत है। हम इस कहानी के जरिए कीटनाशक खेती की चिंताजनक वास्तविकता और उससे पैदा हो रहे मौन स्वास्थ्य संकट को सामने लाना चाहते थे। टीजर उस बड़े मुद्दे की केवल एक झलक है, जो हर दिन लाखों परिवारों को प्रभावित कर रहा है। हमारा उद्देश्य लोगों में जागरूकता पैदा करना और उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित करना है कि आखिर उनकी थाली में क्या परोसा जा रहा है।" श्रेयस तलपड़े ने कहा, "द इंडिया स्टोरी की सबसे बड़ी खासियत इसका प्रासंगिक विषय है। आज कीटनाशक खेती ऐसा मुद्दा बन चुका है, जो हर घर से जुड़ा हुआ है, लेकिन हम अक्सर इसके दूरगामी परिणामों पर ध्यान नहीं देते। मेरा किरदार एक ऐसे आम पिता का है, जो अपने परिवार के लिए व्यवस्था से बड़ी लड़ाई लड़ता है। यह फिल्म मनोरंजन के साथ–साथ एक जरूरी चर्चा की शुरुआत भी करती है।" काजल अग्रवाल ने कहा, "द इंडिया स्टोरी एक मजबूत सामाजिक संदेश वाली फिल्म है। एक मां होने के नाते यह कहानी मुझे व्यक्तिगत स्तर पर बेहद करीब लगी। यह उन चिंताओं और डर को दर्शाती है, जिनका सामना आज कई माता–पिता कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म लोगों को अपने भोजन और आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनाएगी।" फिल्म के सह–निर्माताओं में स्वाति विनायक सैंदाने, अनीता जाधव, विनायक सैंदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी शामिल हैं। तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, संपादक आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आजमी और साउंड डिजाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
संजय बाजपेई
सीतापुर
मो.9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
सुरेश नारायण मिश्र
क्षेत्रीय सम्पादक
सौरभ कुमार, बिहार
मो.09386075289
मो० अरशद
ब्यूरो चीफ
मऊ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566

सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178

Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक